



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्रकाशित करने की शक्ति
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2] नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 25, 1994/माघ 5, 1915
No. 2] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 25, 1994/MAGHA 5, 1915

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1994

हैस ई सी/ए एण्ड आर/02/93:—कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, अधिनियम, 1985 (1986 का 2) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

अध्याय—1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण विनियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं

इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:

- (1) "अधिनियम" से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (1986 का 2) अभिप्रेत है,
- (2) "अध्यक्ष" से प्राधिकरण का अध्यक्ष अभिप्रेत है,

(3) "बैंकिंग" से धारा 7 के अंतर्गत नियुक्त प्राधिकरण का सचिव अभिप्रेत है,

(4) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है,

(5) "वर्ष" से 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाला और आगामी वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

अध्याय—2

प्राधिकरण के अधिवेशन के लिए प्रक्रिया

2. प्राधिकरण के अधिवेशन (1) (क) साधारण अधिवेशन:

प्राधिकरण के एक वर्ष में दो अग्र्यून साधारण अधिवेशन ऐसी तारीखों और ऐसे स्थानों पर होंगे जो अध्यक्ष उपायुक्त समझे और किन्हीं दो साधारण अधिवेशनों के बीच का अन्तराल किसी भी दशा में आठ मास से अधिक नहीं होगा।

(ख) विशेष अधिवेशन, अध्यक्ष, अत्यावश्यकता की दशा में, किसी भी समय, प्राधिकरण का विशेष अधिवेशन बुला सकेगा और यदि किसी अधिवेशन के लिए कम से कम दस सदस्य लिखित रूप में अव्यवस्था प्रस्तुत करते हैं, तो वह ऐसा कर सकेगा।

(2) अध्यक्ष, प्राधिकरण के किसी अधिकारी से प्राधिकरण के किसी अधिवेशन में उपस्थित होने की अपेक्षा कर सकेगा या किसी व्यक्ति को इसमें उपस्थित होने के लिए आमंत्रित कर सकेगा किन्तु ऐसा अधिकारी या व्यक्ति मत देने का हकदार नहीं होगा।

(3) इस विनियम में किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार किसी भी मन्त्र, प्राधिकरण का अधिवेशन बुला सकती।

4. अधिवेशनों की सूचना

प्राधिकरण के किसी मासिक अधिवेशन से कम से कम 14 दिन पूर्व, सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आशयित अधिवेशन के समय और स्थान की सूचना, केन्द्रीय सरकार को भेजी जाएगी और प्रत्येक सदस्य के पते पर छोड़ दी जाएगी या डाक द्वारा भेज दी जाएगी।

5. गणपूर्ति : (1) प्राधिकरण के किसी अधिवेशन में किसी कारबार का संयवहार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे अधिवेशन में कम से कम दस सदस्य उपस्थित न हों।

(2) यदि किसी अधिवेशन में किसी भी समय सदस्यों की संख्या उप विनियम (1) में निर्दिष्ट सदस्यों की संख्या से कम है तो अध्यक्षता करते वाले व्यक्ति अधिवेशन को ऐसी तारीख तक, जो ऐसे अधिवेशन की तारीख से तीन दिन के पश्चात् हो स्थगित अधिवेशन की तारीख समय और स्थान के बारे में सदस्यों को सूचना देने के पश्चात् कर देगा और तदुपरि ऐसे स्थगित अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति के लिए यह विधि-पूर्ण होगा कि वह उपस्थित सदस्यों की संख्या को किया में जाए बिना-मूल अधिवेशन में संयवहार किए जाने वाले आशयित कारबार को निपटा दे।

6. अधिवेशनों का अध्यक्ष : अध्यक्ष प्राधिकरण के प्रत्येक अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा और उसकी अनुपस्थिति में, अधिवेशन में उपस्थित सबसे, ऐसे अधिवेशन की अध्यक्षता करने के लिए स्वयं में से किसी एक सदस्य का चयन करेगा।

7. कार्यसूची :—(1) अध्यक्ष, मासिक अधिवेशनों की वशा में ऐसे अधिवेशनों में संयवहार किए जाने वाले कारबार की सूची तैयार करवाएगा और प्राधिकरण के किसी अधिवेशन से कम से कम 10 दिन पूर्व केन्द्रीय सरकार और प्राधिकरण के सदस्यों के बीच परित्याजित करवाएगा।

(2) प्राधिकरण के किसी अधिवेशन में कार्यसूची में सम्मिलित न किए गए कारबार का अध्यक्ष की अनुज्ञा के बिना संयवहार नहीं किया जाएगा।

8. मतदान (1) प्राधिकरण के किसी अधिवेशन के समक्ष आए गए प्रत्येक प्रश्न का उपस्थित सदस्यों के बहुमत और मतदान द्वारा विनिश्चय किया जाएगा।

(2) मतों के बराबर होने की दशा में, अध्यक्ष या ऐसे अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाले सदस्य का द्वितीय या निर्णायक मत होगा।

9. परिचयलन द्वारा कारबार

(1) किसी ऐसे कारबार को जिसका प्राधिकरण द्वारा संयवहार किया जाता है, यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश दे तो, कागज पत्र परिचालित करके सदस्यों (जो उन सदस्यों से भिन्न है जो भारत में नहीं है) को निर्दिष्ट किया जा सकेगा और इस प्रकार परिचालित कागज पत्र की प्रतियां केन्द्रीय सरकार को भी भेजी जाएगी।

(2) उप विनियम (1) के अधीन परिचालित और उन सदस्यों के जिन्होंने अपने विचार दे रखे हैं, बहुमत द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव या संकल्प उसी प्रकार प्रभावी और बाधक होंगे मानों ऐसे प्रस्ताव या संकल्प का किसी अधिवेशन में सदस्यों के बहुमत द्वारा विनिश्चय किया गया हो।

परन्तु यह तब जब कि बोर्ड के कम से कम दस सदस्यों ने प्रस्ताव या संकल्प का अनुमोदन किया हो :

परन्तु यह और कि जब किसी प्रस्ताव या संकल्प को, परिचालित करके सदस्यों को निर्दिष्ट किया जाता है तब कोई वस सदस्य यह अपेक्षा

कर सके कि प्रस्ताव या संकल्प प्राधिकरण के किसी अधिवेशन में सदस्यों को निर्दिष्ट किया जाए।

(3) जहां कोई कारबार उप-विनियम (1) के अधीन सदस्यों को निर्दिष्ट किया जाता है, वहां सदस्यों से उत्तर की प्राप्ति के लिए पूर्ण दस दिन में अनुपस्थित की अवधि अनुज्ञा की जाएगी, और ऐसी अवधि को गणना कारबार की सूचना जारी करने की तारीख से की जाएगी।

(4) यदि इस विनियम के अधीन कोई प्रस्ताव या संकल्प परिचालित किया जाता है, तो इस परिचालन का परिणाम, सभी सदस्यों और केन्द्रीय सरकार को समुचित किया जाएगा।

(5) कागज पत्र परिचालित करके किए गए प्रश्नों के विनिश्चयों का प्राधिकरण के आगामी अधिवेशन में अभिलेख के लिए रखा जाएगा।

10. कारबार का अभिलेख : (1) प्राधिकरण द्वारा संयवहार किए गए कारबार की सभी मंती का कार्यवाहियों का अभिलेख सचिव द्वारा रखा जाएगा और ऐसे अभिलेख की प्रतियां केन्द्रीय सरकार को भेजी जाएगी।

(2) जब किसी कारबार को विनियम (9) के अधीन कागज पत्र परिचालित करके संयवहार किया जाता है तब इस प्रकार संयवहार किए गए कारबार का अभिलेख अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

(3) प्राधिकरण के प्रत्येक अधिवेशन में संयवहार दिए गए कारबार का अभिलेख यथास्थिति अध्यक्ष या ऐसे अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाले सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

शुक्ल पटनायक, अध्यक्ष

MINISTRY OF COMMERCE (Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th January, 1994

F. No. Sec./AIR/02/93.—In exercise of the powers conferred by Section 33 of the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority Act, 1985 (2 of 1986), the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority Regulations, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :

(i) "Act" means the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority Act 1985 (2 of 1986);

- (ii) "Chairman" means the Chairman of the Authority;
- (iii) "Secretary" means the Secretary to the Authority, appointed under Section 7;
- (iv) "Section" means a section of the Act;
- (v) "Year" means the financial year commencing on the first day of April and ending with the 31st day of March next following.

CHAPTER II

Procedure for meeting of the Authority

2. Meetings of the Authority.—(1)(a) Ordinary meetings.—There shall be not less than two ordinary meetings of the Authority in a year on such dates and at such places as the Chairman may think fit and interval between any two ordinary meetings shall not in any case, be longer than eight months.

(b) Special meetings.—The Chairman, in case of urgency, at any time may call a special meeting of the Authority and may do so if a requisition for a meeting is presented to him in writing by atleast ten members.

(2) The Chairman may require any officer of the Authority or invite any person to attend any meeting of the Authority, but such officer or person shall not be entitled to vote.

(3) Notwithstanding anything contained in this regulation, the Central Government, may, at any time, call a meeting of the Authority.

4. Notice for the meetings.—At least 14 clear days before any ordinary meeting of the Authority, notice of the time and place of the intended meeting signed by the Secretary shall be sent to the Central Government and left at or posted to the address of every member.

5. Quorum.—(1) No business shall be transacted at a meeting of the Authority unless there are present at such meeting at least ten members.

(2) If at any time the number of members at a meeting is less than the number of members specified in sub-regulation (1), the person

presiding shall adjourn the meeting to a date not later than three days from the date of such meeting after informing the members of the date, time and place of the adjourned meeting and it shall thereupon be lawful for the person presiding at such adjourned meeting to dispose of the business intended to be transacted at the original meeting, irrespective of the number of members present.

6. Chairman of meetings.—The Chairman shall preside every meeting of the Authority and in his absence, the members present at the meeting shall elect one from among themselves to preside over such meeting.

7. Agenda.—(1) The Chairman shall cause to be prepared and circulated to the Central Government and among the members of the Authority at least ten days before a meeting of the Authority in case of ordinary meetings a list of business to be transacted at such meetings.

(2) No business not included in the Agenda shall be transacted at a meeting of the Authority without the permission of the Chairman.

8. Voting.—(1) Every question brought before a meeting of the Authority shall be decided by a majority of the members present and voting.

(2) In the case of an equality of Votes, the Chairman or the member presiding over such meeting shall have a second or casting vote.

9. Business by circulation.—(1) Any business which is to be transacted by Authority may, if the Chairman so directs, be referred to members (other than members who are not in India) by circulation of paper and copies of papers so circulated shall also be sent to the Central Government.

(2) Any proposal or resolution circulated under sub-regulation (1) and approved by the majority of the members who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such proposal or resolution were decided by the majority of the members at a meeting :

Provided that at least ten members of the Board have approved the proposal or resolution :

Provided further that when a proposal or resolution is referred to the members by circulation, any ten members may require that the proposal or resolution be referred to members at a meeting of the Authority.

(3) Where any business is referred to members under sub-regulation (1), a period of not less than ten clear days shall be allowed for the receipt of replies from members and such period shall be reckoned from the date on which the notice of business is issued.

(4) If a proposal or resolution is circulated under this regulation the result of the circulation shall be communicated to all members and to the Central Government.

(5) All decisions on questions arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting of the Authority for record.

10. Record of business.—(1) A record of proceedings shall be maintained by the Secretary of all items of business transacted by the Authority and copies of such record shall be forwarded to the Central Government.

(2) When a business is transacted by circulation of papers under regulation (9), a record of business so transacted shall be signed by the Chairman.

(3) The record of business transacted at every meeting of the Authority shall be signed by the Chairman, or the member presiding over such meeting as the case may be.

GOKUL PATNAIK, Chairman